# वार्षिक विवरण

# ANNUAL REPORT

## 2023 - 2024

## केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल द्वारा संचालित

शिक्षा मंत्रालय, उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

# वार्षिक विवरण
# ANNUAL REPORT

## 2023-24


केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
(केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल द्वारा संचालित)
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार
हिंदी संस्थान मार्ग, आगरा-282005
दूरभाष : 0562-2530683/684/705 फैक्स : 0562-2530684/159
वेबसाइट : www.hindisansthan.in
ई-मेल : directorkhs1960@gmail.com
केंद्र : दिल्ली, हैदराबाद, गुवाहाटी, शिलांग, मैसूर, भुवनेश्वर, दीमापुर, अहमदाबाद

# अनुक्रमणिका


- परिचय 01
- शिक्षक प्रशिक्षणपरक पाठ्यक्रम 02
- शिक्षणपरक पाठ्यक्रम 12
- अनुसंधानपरक कार्यक्रम 16
- प्रमुख परियोजनाएँ 20
- विस्तारपरक कार्यक्रम 21
- विशेष व्याख्यान/प्रसार व्याख्यान 28
- पुस्तकालय 30
- प्रकाशन 31
- संबद्ध प्रशिक्षण महाविद्यालय 34
- हिंदी सेवी सम्मान योजना 35
- बैठकें 36

# केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

**क्षेत्रीय केंद्र : दिल्ली, हैदराबाद, गुवाहाटी, शिलांग, मैसूर, दीमापुर, भुवनेश्वर, अहमदाबाद**

## वार्षिक विवरण : 2023-24

**परिचय**

केंद्रीय हिंदी संस्थान, आगरा शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के शिक्षा विभाग द्वारा 1960 में स्थापित स्वायत्त संगठन केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल द्वारा संचालित अखिल भारतीय स्तर की एक स्वायत्तशासी संस्था है।

संस्थान का मुख्यालय आगरा में स्थित है। इसके आठ केंद्र क्रमशः दिल्ली (स्था. 1970), हैदराबाद (स्था. 1976), गुवाहाटी (स्था. 1978), शिलांग (स्था. 1987), मैसूर (स्था. 1988), दीमापुर (स्था. 2003), भुवनेश्वर (स्था. 2003) तथा अहमदाबाद (स्था. 2006) में सक्रिय हैं।

हिंदी भारत की एकता की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। आधुनिक भारत के लिए राष्ट्रीय एकता सबसे बड़ा मूल्य है। केंद्रीय हिंदी संस्थान के हर कार्यक्रम के मूल में यह मूल्य विद्यमान है। इसी रोशनी में केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल ने अपने संस्था-ज्ञापन (मेमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन) में कुछ संकल्प एवं कार्य निर्धारित किए हैं, जो इस प्रकार हैं-

(अ) अनुच्छेद 351 में निर्दिष्ट संवैधानिक दायित्वों को साकार करने हेतु अखिल भारतीय भाषा के रूप में हिंदी का विकास करते हुए ऐसे पाठ्यक्रम प्रस्तुत, संचालित एवं उपलब्ध कराना, जो इस भाषा के विकास और प्रसार की दृष्टि से उपयोगी हों।

(आ) विभिन्न स्तर पर हिंदी शिक्षण की गुणवत्ता में सुधार लाना, हिंदी शिक्षकों को प्रशिक्षित करना, हिंदी भाषा और साहित्य के उच्चतर अध्ययन का प्रबंध करना तथा हिंदी के साथ विभिन्न भारतीय भाषाओं के तुलनात्मक भाषावैज्ञानिक अध्ययन को प्रोत्साहित करना और हिंदी भाषा एवं शिक्षण विषयक विविध अनुसंधान कार्यों का आयोजन करना।

(इ) हिंदी अधिगम शिक्षण और प्रशिक्षण से संबंधित विभिन्न स्तर की पाठ्यपुस्तकों, संदर्भ ग्रंथों और अनुसंधानपरक ग्रंथों का निर्माण, प्रकाशन तथा वितरण करना।

(ई) संस्थान के उद्देश्यों के अनुरूप आवश्यकतानुसार पत्र-पत्रिकाओं का प्रकाशन करना।

(उ) संस्थान की प्रकृति एवं उद्देश्यों के अनुरूप कार्य कर रही अन्य संस्थाओं के साथ जुड़ना, सदस्यता ग्रहण करना या सहयोग करना या सम्मिलित होना, उन्हें समाहित करना, संबद्ध करना अथवा उनसे संबद्ध होना।

(ऊ) समय-समय पर अपनाए गए नियमों और उप-नियमों के अनुसार अध्येतावृत्ति (फैलोशिप), छात्रवृत्ति और पुरस्कार, सम्मान पदक की स्थापना कर हिंदी भाषा के अनुप्रयोग को बढ़ाना और उससे संबंधित कार्यों को प्रोत्साहित करना आदि।

**संस्थान के कार्यक्षेत्र**

केंद्रीय हिंदी शिक्षण मंडल के उपर्युक्त संकल्पों, उद्देश्यों एवं कार्यों को संपन्न करने के लिए केंद्रीय हिंदी संस्थान ने अपनी गतिविधियों का निरंतर विस्तार किया है, जिनका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है-

**1. शिक्षक प्रशिक्षणपरक पाठ्यक्रम**

**(क) पूर्णसत्रीय**

मुख्यालय के अध्यापक शिक्षा विभाग तथा अन्य केंद्रों द्वारा एक वर्षीय तथा द्विवर्षीय प्रशिक्षणपरक पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद के मानकों के अनुसार 'हिंदी शिक्षण निष्णात', 'हिंदी शिक्षण पारंगत' तथा 'हिंदी शिक्षण प्रवीण' द्विवर्षीय पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं। इनका विस्तृत विवरण निम्न प्रकार है-

**1. हिंदी शिक्षण निष्णात (एम.एड. समकक्ष) आगरा (द्विवर्षीय)**

विश्वविद्यालयों के प्रशिक्षण महाविद्यालयों एवं राज्य शिक्षक प्रशिक्षण संस्थानों में कार्यरत हिंदी अध्यापकों एवं अनुदेशकों को हिंदी शिक्षण में प्रशिक्षित करने के उद्देश्य से संस्थान द्वारा इस पूर्णसत्रीय पाठ्यक्रम को चलाया जाता है। प्रशिक्षणार्थियों को विभिन्न विश्वविद्यालयों के एम.एड. पाठ्यक्रमों में निर्धारित आवश्यक विषयवस्तु में विषयों में प्रशिक्षण देने के साथ-साथ भाषा-शिक्षण, भाषाविज्ञान, हिंदी संरचना, व्यतिरेकी भाषाविज्ञान, मूल्यांकन और परीक्षण, साहित्य विश्लेषण एवं साहित्य शिक्षण आदि का समुचित ज्ञान कराया जाता है। यह पाठ्यक्रम

## Updated List of the Members of the Governing Council

| | | |
|---|---|---|
| 1. | **Mr. Dharmendra Pradhan**<br>Hon'ble Minister,<br>Ministry of Education., Govt. of India,<br>Shastri Bhawan, New Delhi-110001 | **Chairman** |
| 2. | **Prof. Surendra Dubey**<br>Hon'ble Vice Chairman,<br>Kendriya Hindi Shikshan Mandal, Agra | **Vice-Chairman** |
| 3. | **Joint Secretary (Languages)**<br>Ministry of Education,<br>(Deptt. of Higher Education),<br>Govt. of India, Shastri Bhawan,New Delhi-110001 | **Member** |
| 4. | **Joint Secretary and Finance Advisor (Internal Finance)**<br>Ministry of Education (Deptt. of Higher Education),<br>Govt. of India, Shastri Bhawan,New Delhi-110001 | **Member** |
| 5. | **Joint Secretary (Deptt. of official Language)**<br>Home Ministry, Govt. of India, New Delhi-110003 | **Member** |
| 6. | **Prof. R.S. Sarraju**<br>Hyderabad | **Member** |
| 7. | **Prof. Narendra Mishra**<br>New Delhi | **Member** |
| 8. | **Dr. Kshama Kaul**<br>Jammu | **Member** |
| 9. | **Prof. Beena Sharma**<br>Central Institute of Hindi, Agra | **Member** |
| 10. | **Prof. Sunil Baburao Kulkarni**<br>Director,<br>Central Institute of Hindi, Agra-282005 | **Member/Secretary** |